चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....अमर उजाला........

दिनांक 26.7.2019 पृष्ठ सं. ...6... कॉलम ...3-7...

प्रशिक्षण शिविर

मशरूम उत्पादन व मधुमक्खी पालन विषय पर प्रशिक्षण शिविर संपन्न, विभिन्न जिलों के 53 युवक-युवतियों ने लिया भाग

ज्ञान को स्वयं तक सीमित न रखकर दूसरों में भी बांटें : डॉ. कंबोज

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा मशरूम उत्पादन व मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन-तीन दिन के दो प्रशिक्षण शिविर वीरवार को संपन्न हो गए। रिकोगनीशन प्रायर लर्निंग (आरपीएल) भारतीय कृषि अनुसंधान कौशल परिषद द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण शिविर में हरियाणा के विभिन्न जिलों से 53 बेरोजगार युवकों, युवतियों एवं किसानों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने शिविर के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान करते मुख्य अतिथि डॉ. बीआर कंबोज।

डॉ. कंबोज ने प्रतिभागियों को संबोधित किया कि वे प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान को स्वयं तक सीमित न रखकर दूसरों में भी बांटें तथा अधिक से अधिक बेरोजग़ार युवक इससे लाभान्वित हो सकें। प्रशिक्षणों से प्राप्त ज्ञान से वह विशेषकर वह युवा जो अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए, अपना लघु व्यवसाय शुरू करके रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने इस प्रशिक्षण में शामिल हुए प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वह प्रशिक्षण के बाद भी हकृवि के विशेषज्ञों के साथ जुड़े रहें और उनसे मार्गदर्शन लेते रहें। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। डॉ. कंबोज ने बताया कि किसानों व युवाओं को चाहिए कि वो परंपरागत खेती के साथ वैकल्पिक व्यवसाय के रूप में मशरूम की खेती व मधुमक्खी पालन करके अधिक लाभ कमाएं। संस्थान की सह निदेशिका डॉ. मंजू दहिया ने भारतीय कृषि अनुसंधान कौशल परिषद की पद्धति पर होने वाले प्रशिक्षणों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर वरिष्ठ खुंब वैज्ञानिक डॉ. सुरजीत सिंह, प्रशिक्षणों के संयोजक डॉ. राकेश कुमार व डॉ. हरीश कुमार भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुरेंद्र सिंह ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... दैनिक भास्कर .....

दिनांक 26.2.2019 पृष्ठ सं. ..... 2 ..... कॉलम ..... 8 .....

युवा वैकल्पिक व्यवसाय के रूप में करें मशरूम की खेती: डॉ कांबोज

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा मशरूम उत्पादन व मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन-तीन दिवसीय दो प्रशिक्षण सम्पन्न हुए। रिकग्निशन प्रायर लर्निंग (आरपीएल) भारतीय कृषि अनुसंधान कौशल परिषद द्वारा प्रायोजित इस प्रशिक्षण में हरियाणा के विभिन्न जिलों से 53 बेरोजगार युवकों, युवतियों एवं किसानों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज इस अवसर पर मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि वे प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान को स्वयं तक सीमित न रखकर दूसरों में भी बांटे तथा अधिक से अधिक बेरोजगार युवक इससे लाभान्वित हो सकें। किसानों व युवाओं को चाहिए कि वो परंपरागत खेती के साथ-साथ वैकल्पिक व्यवसाय के रूप में मशरूम की खेती व मधुमक्खी पालन करके अधिक लाभ कमाएं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम .... नभ छोर ....
दिनांक 25.7.2017 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 2-5

किसान व युवा परंपरागत खेती के साथ वैकल्पिक व्यवसाय को अपनाएं : कंबोज

हिसार/25 जुलाई/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा मशरूम उत्पादन व मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन-तीन दिन के दो प्रशिक्षण सम्पन्न हुए। रेकोगनीशन प्रायर लर्निंग (आरपीएल) भारतीय कृषि अनुसंधान कौशल परिषद द्वारा प्रायोजित इस प्रशिक्षण में हरियाणा के विभिन्न जिलों से 53 बेरोज़गार युवकों, युवतियों एवं किसानों ने भाग लिया। समारोह के मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने उपर्युक्त दोनों प्रशिक्षण रोजगार प्राप्त करने के लिए अति उपयुक्त हैं। उन्होंने कहा प्रशिक्षणों से प्राप्त ज्ञान से विशेषकर वह युवा जो अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए, अपना लघु व्यवसाय शुरू करके रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने इस प्रशिक्षण में शामिल हुए प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वह प्रशिक्षण के उपरांत भी हकृवि के विशेषज्ञों के साथ जुड़े रहें और उनसे मार्गदर्शन लेते रहें। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। डॉ. कंबोज ने बताया कि किसानों व युवाओं को चाहिए कि वो परंपरागत खेती के साथ-साथ वैकल्पिक व्यवसाय के रूप में मशरूम की खेती व मधुमक्खी पालन करके अधिक लाभ कमाएं। उन्होंने कहा देश में बढ़ती हुई जनसंख्या को देखते हुए युवाओं का कौशल विकास जरूरी है। बढ़ती हुई प्रतिस्पर्धा में सभी को सरकारी नौकरी मिलना संभव नहीं है। नवयुवकों को चाहिए कि विश्वविद्यालय से प्रशिक्षण लेकर अपना कौशल विकास करें। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि जब तक कोई भी शिष्य शिक्षक को गुरू नहीं मानेगा वह पूर्ण रूप से ज्ञान प्राप्त नहीं कर सकता। संस्थान की सहनिदेशिका डॉ. मंजु दहिया ने संस्थान द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान कौशल परिषद की पद्धति पर होने वाले प्रशिक्षणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा हकृवि एग्रीकल्चर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया के सहयोग से बेरोजगार युवाओं, किसानों और महिलाओं को प्रशिक्षणों के माध्यम से उन्हें कुशल और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। इसके अंतर्गत उन्हे मधुमक्खी पालन, माली, सहायक माली, नर्सरी प्रबंधक, फूलों की संरक्षित खेती, बल्ब क्रॉफ कलटीवेटर, गेहूं कलटीवेटर, मशरूम उत्पादक, कीटनाशी एवं उर्वरक प्रयोगकर्त्ता, उत्तम बीज उत्पादक, बीज प्रौद्योगिकी कार्यकर्त्ता, ट्रैक्टर संचालक, ट्रैक्टर मेकेनिक, जैविक खेती उत्पादक, सोलानीशियस क्रॉप कलटीवेटर, कृषि विस्तार संचार कार्यकर्त्ता, मृदा नमूने एकत्रित करना तथा मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला विश्लेषण जैसे 19 विभिन्न कृषि विषयों में प्रशिक्षण व सर्टिफिकेट कोर्स प्रदान किए जा रहे हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ खुम्ब वैज्ञानिक डॉ. सुरजीत सिंह, प्रशिक्षणों के संयोजक डॉ. राकेश कुमार व डॉ. हरीश कुमार भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... सिटी पल्स .....
दिनांक 25.2.2019 पृष्ठ सं. ..... 2 ..... कॉलम ..... 3-6 .....

हकृवि में आयोजित मशरूम उत्पादन व मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित प्रशिक्षण का समापन

विभिन्न जिलों से 53 बेरोज़गार युवकों, युवतियों एवं किसानों ने लिया भाग

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा मशरूम उत्पादन व मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन-तीन दिन के दो प्रशिक्षण सम्पन्न हुए। रेकोगनीशन प्रायर लर्निंग (आरपीएल) भारतीय कृषि अनुसंधान कौशल परिषद द्वारा प्रायोजित इस प्रशिक्षण में हरियाणा के विभिन्न जिलों से 53 बेरोज़गार युवकों, युवतियों एवं किसानों ने भाग लिया।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान को स्वयं तक सीमित न रखकर दूसरों में भी बाँटें तथा अधिक से अधिक बेरोज़गार युवक इससे लाभान्वित हो सकें। उन्होंने कहा कि उपर्युक्त दोनों प्रशिक्षण रोज़गार प्राप्त करने के लिए अति उपयुक्त हैं। उन्होंने कहा प्रशिक्षणों से प्राप्त ज्ञान से वह विशेषकर वह युवा जो अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए, अपना लघु व्यवसाय शुरू करके रोज़गार प्राप्त कर सकते हैं।

डॉ. कंबोज ने बताया कि किसानों व युवाओं को चाहिए कि वो परंपरागत खेती के साथ-साथ वैकल्पिक व्यवसाय के रूप में मशरूम की खेती व मधुमक्खी पालन करके अधिक लाभ कमाएं। उन्होंने कहा देश में बढ़ती हुई जनसंख्या को देखते हुए युवाओं का कौशल विकास जरूरी है।

हिसार। मुख्य अतिथि डॉ. बीआर कंबोज प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान करते हुए।

संस्थान की सहनिदेशिका डॉ. मंजु दहिया ने भारतीय कृषि अनुसंधान कौशल परिषद की पद्धति पर होने वाले प्रशिक्षणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा हकृवि ने एग्रीकल्चर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया के सहयोग से बेरोजगार युवाओं, किसानों और महिलाओं को प्रशिक्षणों के माध्यम से उन्हें कुशल और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। इस अवसर पर वरिष्ठ खुम्ब वैज्ञानिक डॉ. सुरजीत सिंह, प्रशिक्षणों के संयोजक डॉ. राकेश कुमार व डॉ. हरीश कुमार भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......मिलाप शक्ति टाइम्स......

दिनांक 25.7.2019 पृष्ठ सं. ...8... कॉलम ...1-5...

प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान को स्वयं तक सीमित न रखें : कंबोज

मशरूम उत्पादन व मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित प्रशिक्षण सम्पन्न

हिसार, 25 जुलाई (मिस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा मशरूम उत्पादन व मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन-तीन दिन के दो प्रशिक्षण सम्पन्न हुए। रेकोगनीशन प्रायर लर्निंग (आरपीएल) भारतीय कृषि अनुसंधान कौशल परिषद द्वारा प्रायोजित इस प्रशिक्षण में हरियाणा के विभिन्न जिलों से 53 बेरोजगार युवकों, युवतियों एवं किसानों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान को स्वयं तक सीमित न रखकर दूसरों में भी बांटें तथा अधिक से अधिक बेरोजगार युवक इससे लाभान्वित हो सकें। उन्होंने कहा कि उपर्युक्त दोनों प्रशिक्षण रोजगार प्राप्त करने के लिए अति उपयुक्त हैं। उन्होंने कहा प्रशिक्षणों से प्राप्त ज्ञान से वह विशेषकर वह युवा जो अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए, अपना लघु व्यवसाय शुरू करके रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने इस प्रशिक्षण में शामिल हुए प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वह प्रशिक्षण के उपरांत भी हकृवि के विशेषज्ञों के साथ जुड़े रहें और उनसे मार्गदर्शन लेते रहें। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। डॉ. कंबोज ने बताया कि किसानों व युवाओं को चाहिए कि वो परंपरागत खेती के साथ-साथ वैकल्पिक व्यवसाय के रूप में मशरूम की खेती व मधुमक्खी पालन करके अधिक लाभ कमाएं। उन्होंने कहा देश में बढ़ती हुई जनसंख्या को देखते हुए युवाओं का कौशल विकास जरूरी है। बढ़ती हुई प्रतिस्पर्धा में सभी को सरकारी नौकरी मिलना संभव नहीं है। नवयुवकों को चाहिए कि विश्वविद्यालय से प्रशिक्षण लेकर अपना कौशल विकास करें। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि जब तक कोई भी शिष्य शिक्षक को गुरु नहीं

मानेगा वह पूर्ण रूप से ज्ञान प्राप्त नहीं कर सकता। उपरोक्त संस्थान की सहनिदेशिका डॉ. मंजु दहिया ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। उन्होंने संस्थान द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान कौशल परिषद की पद्धति पर होने वाले प्रशिक्षणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा हकृवि ने एग्रीकल्चर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया के सहयोग से बेरोजगार युवाओं, किसानों और महिलाओं को प्रशिक्षणों के माध्यम से उन्हें कुशल और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। इसके अंतर्गत उन्हें मधुमक्खी पालन, माली, सहायक माली, नर्सरी प्रबंधक, फूलों की संरक्षित खेती, बल्ब क्रॉप कल्टिवेटर, गेहूं कल्टिवेटर, मशरूम उत्पादक, कीटनाशी एवं उर्वरक प्रयोगकर्ता, उत्तम बीज उत्पादक, बीज प्रौद्योगिकी कार्यकर्ता, ट्रैक्टर संचालक, ट्रैक्टर मैकेनिक, जैविक खेती उत्पादक, सोलानेशियस क्रॉप कल्टिवेटर, कृषि विस्तार संचार कार्यकर्ता, मृदा नमूने एकत्रित करना तथा मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला विश्लेषण जैसे 19 विभिन्न कृषि विषयों में प्रशिक्षण व सर्टिफिकेट कोर्स प्रदान किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर वरिष्ठ सूक्ष्म वैज्ञानिक डॉ. सुरजीत सिंह, प्रशिक्षणों के संयोजक डॉ. राकेश कुमार व डॉ. हरीश कुमार भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने किया।